तुरंत जारी करने हेतु **(प्रेस विज्ञप्ति सं.23/2022)**

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2022

(www.trai.gov.in)

28 फरवरी, 2022 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस+वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1141.53**	**24.52**	**1166.05**
फरवरी 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-3.72	0.31	-3.41
मासिक वृद्धि दर	-0.32%	1.27%	-0.29%
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**625.19**	**22.57**	**647.76**
फरवरी 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-1.93	0.31	-1.62
मासिक वृद्धि दर	-0.31%	1.40%	-0.25%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**516.34**	**1.94**	**518.29**
फरवरी 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-1.79	0.00	-1.79
मासिक वृद्धि दर	-0.34%	-0.20%	-0.34%
समग्र दूरसंचार-घनत्व*	**83.10%**	**1.78%**	**84.88%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व*	130.57%	4.71%	135.28%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व*	57.70%	0.22%	57.91%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.77%	92.07%	55.55%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.23%	7.93%	44.45%
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**756.75**	**26.63**	**783.37**

- फरवरी, 2022 के माह में 9.16 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने की तिथि से जननरी, 2022 अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 670.95 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2022 के अंत तक 680.11 मिलियन हो गया।

- फरवरी, 2022 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1016.09 मिलियन थी।

नोट: -

- इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report%202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf के आधार पर के आधार पर।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2022 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,169.46 मिलियन से घटकर, फरवरी 2022 के अंत तक 1,166.05 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 0.29 प्रतिशत दर्ज की गयी। जनवरी, 2022 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 649.38 मिलियन से घटकर फरवरी, 2022 के अंत तक 647.76 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 520.08 मिलियन से घटकर 518.29 मिलियन हो गई। फरवरी, 2022 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर 0.25 प्रतिशत तथा 0.34 प्रतिशत रही।

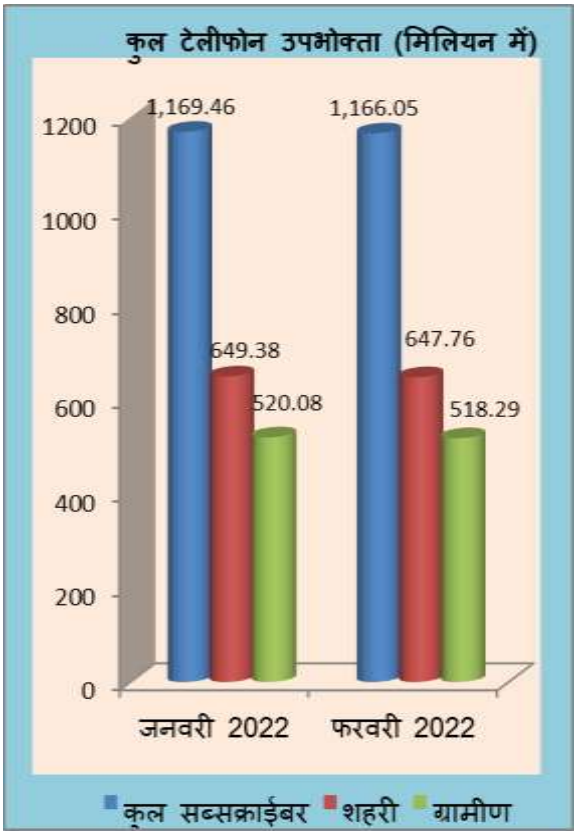

- जनवरी, 2022 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 85.19 प्रतिशत से घटकर फरवरी, 2022 के अंत तक 84.88 प्रतिशत हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2022 के अंत तक 135.83 प्रतिशत से घटकर फरवरी, 2022 के अंत तक 135.28 प्रतिशत हो गया और ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी इसी समय के दौरान 58.13 प्रतिशत से घटकर 57.91 प्रतिशत हो गया। फरवरी, 2022 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 55.55 प्रतिशत तथा 44.45 प्रतिशत थी।

दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2022 के अंत में आठ सेवा क्षेत्रों में टेलि-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि-घनत्व 267.09 प्रतिशत रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि-घनत्व 52.66 प्रतिशत रहा है।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है **https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report%202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf** के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

फरवरी, 2022 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	फरवरी, 2022 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	1,24,209	-17,69,069	93,57,243	38,69,32,633
श्रेणी - ख	97,737	-10,75,978	57,95,455	46,81,09,731
श्रेणी - ग	36,348	-4,93,989	15,06,006	17,63,59,493
महानगर	49,479	-3,78,316	78,59,966	11,01,24,990
अखिल भारतीय	**3,07,773**	**-37,17,352**	**2,45,18,670**	**1,14,15,26,847**

फरवरी, 2022 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी-22 से फरवरी-22)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2021 से, फरवरी 2022 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	1.35%	-0.46%	21.44%	-3.24%
श्रेणी - ख	1.72%	-0.23%	29.24%	-0.82%
श्रेणी - ग	2.47%	-0.28%	63.41%	-1.60%
महानगर	0.63%	-0.34%	11.09%	-5.55%
अखिल भारतीय	**1.27%**	**-0.32%**	**21.46%**	**-2.24%**

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2022 माह के दौरान दोनों मासिक एवं वार्षिक आधार पर सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में ह्रास दर दर्ज की गई है।
- वायरलाइन सेवा क्षेत्र में फरवरी, 2022 माह के दौरान दोनों मासिक एवं वार्षिक आधार पर वायरलाइन सेवा क्षेत्र के सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2022 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1145.24 मिलियन से घटकर फरवरी, 2022 के अंत तक 1141.53 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 0.32 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2022 के अंत तक 627.12 मिलियन से घटकर फरवरी, 2022 के अंत तक 625.19 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या भी 518.13 मिलियन से घटकार 516.34 मिलियन हो गई। फरवरी, 2022 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर क्रमशः 0.31 प्रतिशत और 0.34 प्रतिशत रही।

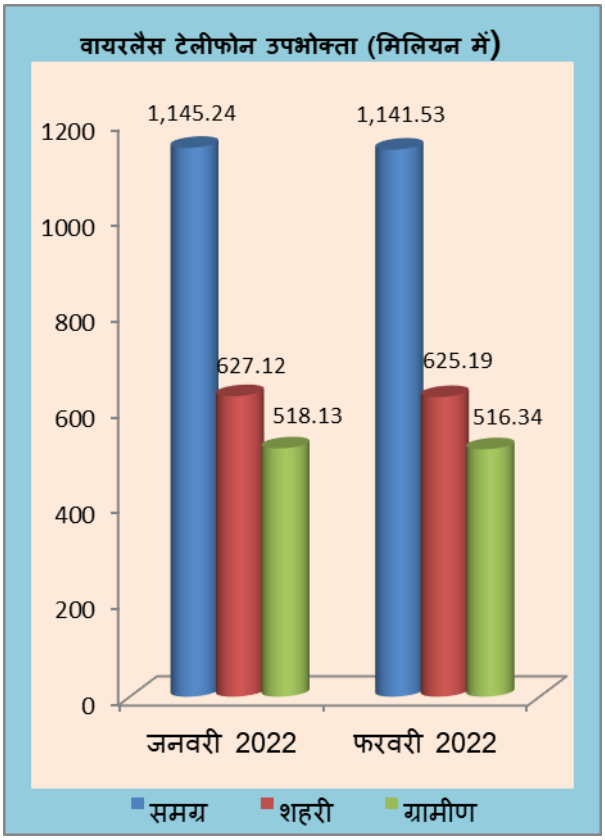

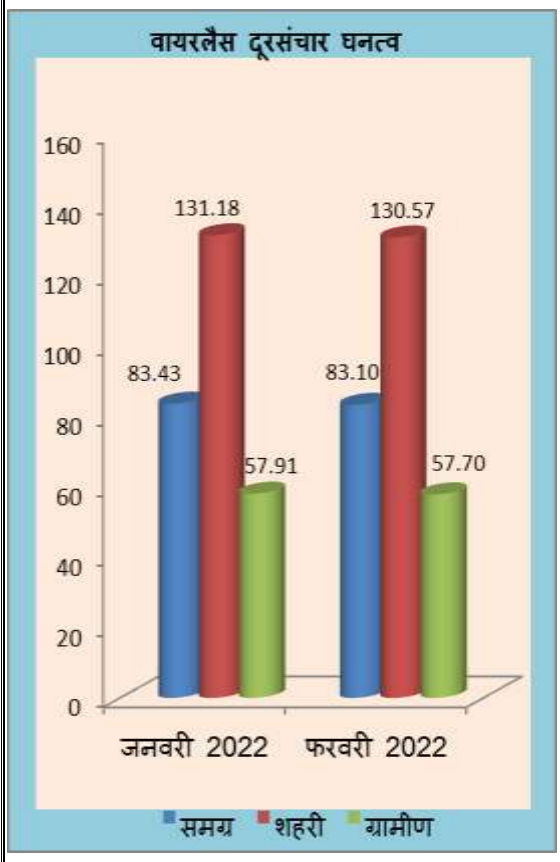

- जनवरी, 2022 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 83.43 प्रतिशत से घटकर फरवरी, 2022 के अंत तक 83.10 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में जनवरी, 2022 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 131.18 प्रतिशत से घटकर फरवरी, 2022 के अंत में 130.57 प्रतिशत हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 57.91 प्रतिशत से घटकर 57.70 प्रतिशत हो गया। फरवरी, 2022 के अंत तक कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 54.77 प्रतिशत तथा 45.23 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.74 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.26 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः-

28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

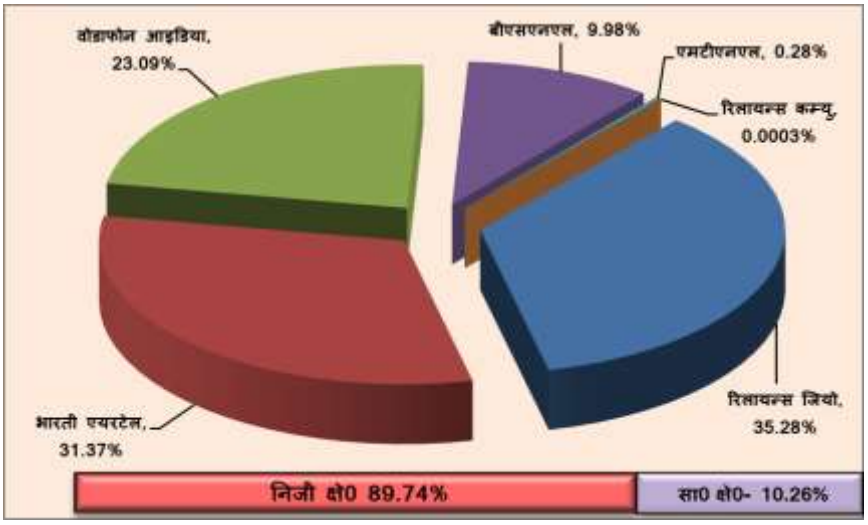

फरवरी, 2022 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

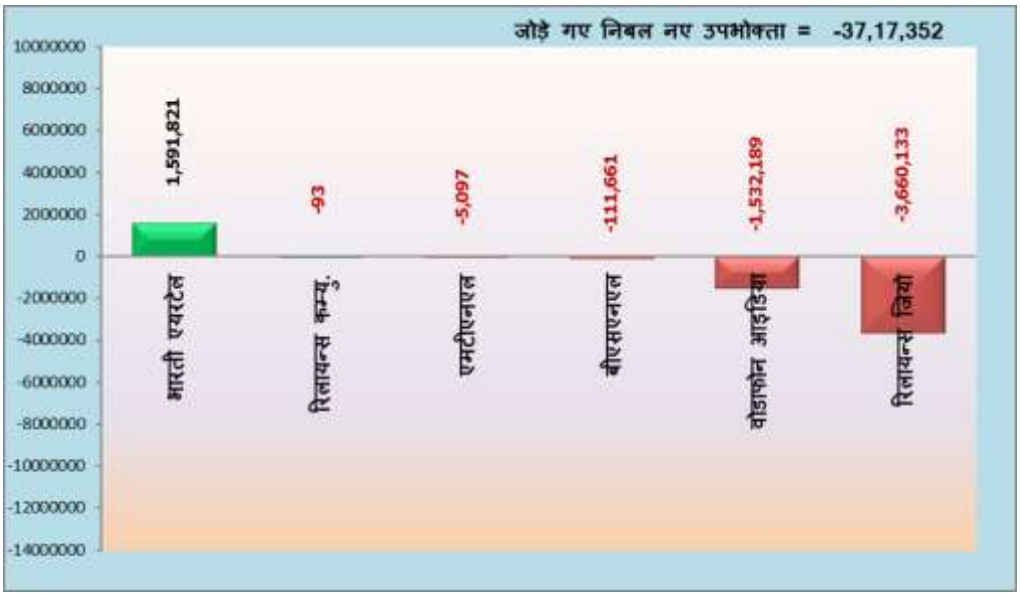

नोट - 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क आपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

फरवरी, 2022 माह के दौरान सेवा-प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

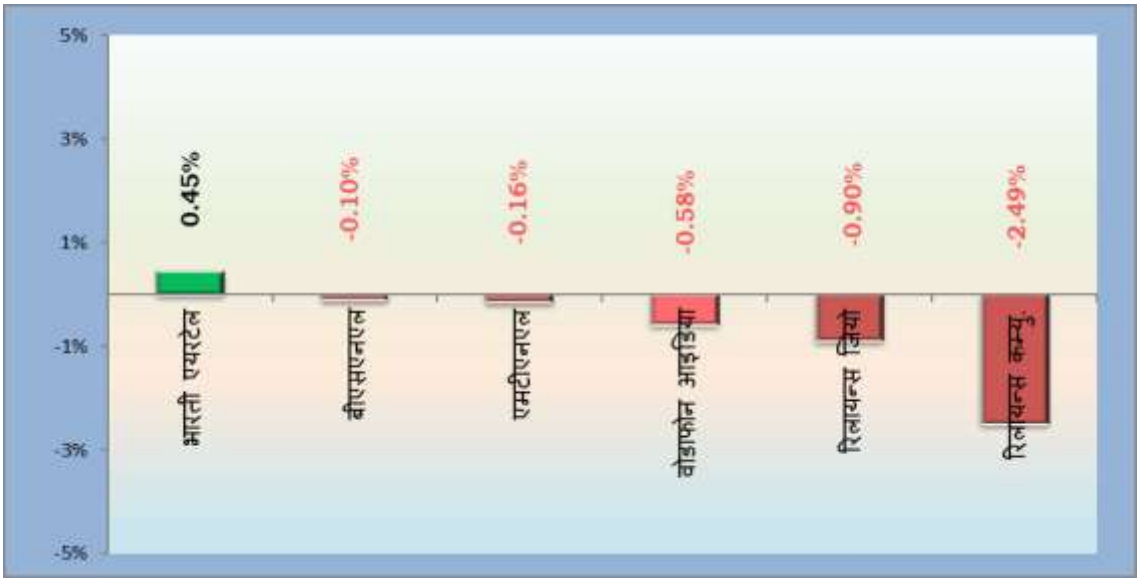

नोट - 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है।

फरवरी, 2022 माह के दौरान सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

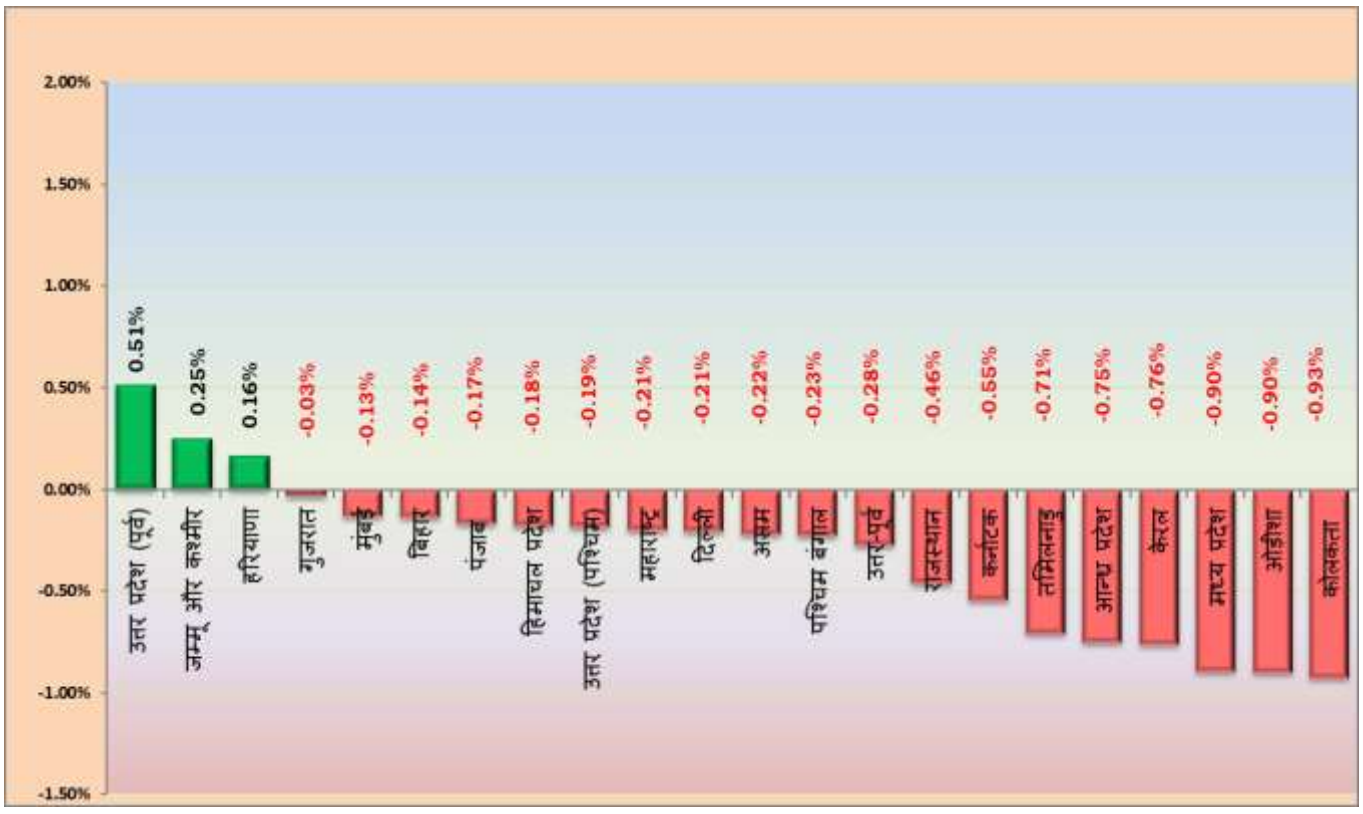

- फरवरी, 2022 माह के दौरान उत्तर प्रदेश (पूर्व), जम्मू और कश्मीर और हरियाणा सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में ह्रास दर दर्ज की गई।

V. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- फरवरी, 2022 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 1,141.53 मिलियन में से 1016.09 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 89.01 प्रतिशत था।

- फरवरी, 2022 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

फरवरी, 2022 माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

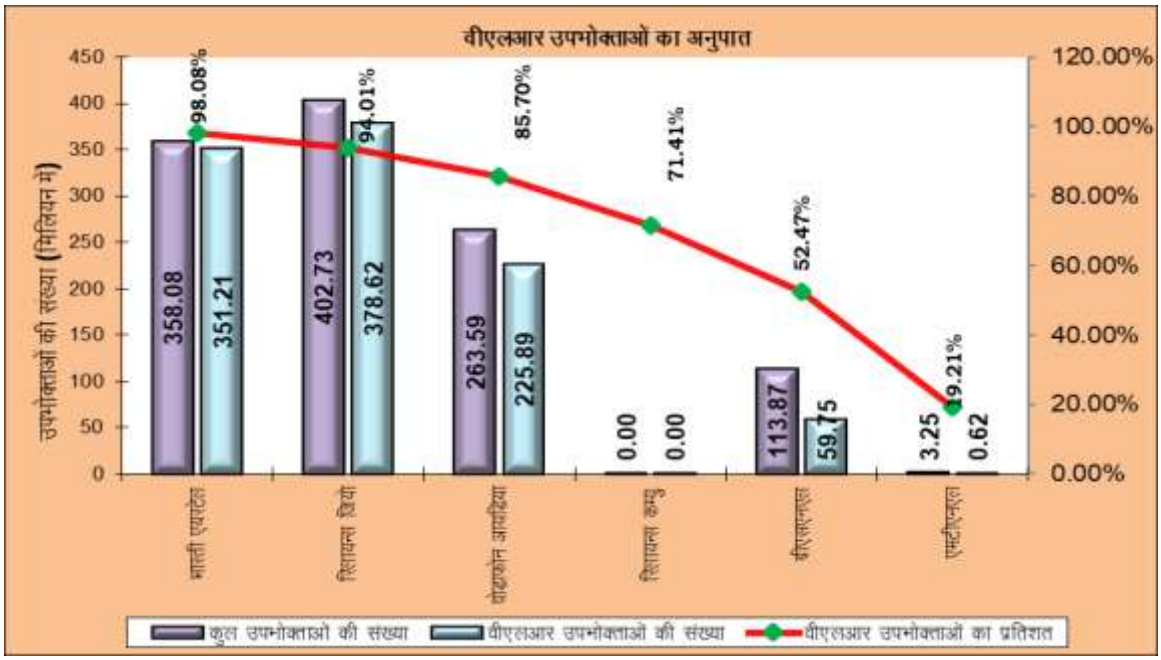

- फरवरी, 2022 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 98.08 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 19.21 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

फरवरी, 2022 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

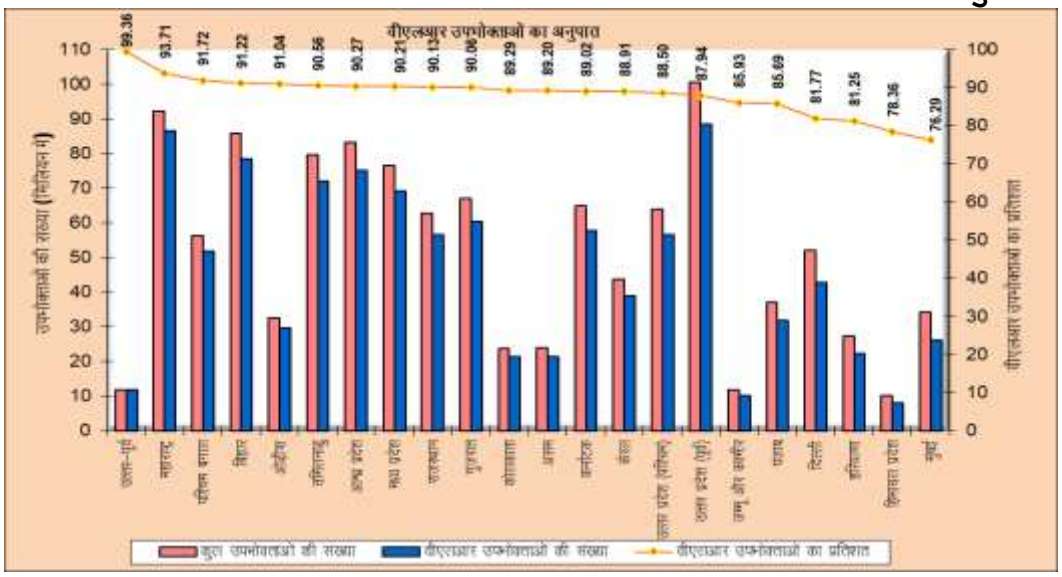

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- फरवरी, 2022 के माह में कुल 9.16 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 9.16 मिलियन अनुरोधों में से 4.57 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 4.59 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध जनवरी, 2022 के अंत तक 670.95 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2022 के अंत तक 680.11 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 56.02 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पूर्व में (लगभग 51.60 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 52.77 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 51.03 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-1			**जोन-2**		
सेवा क्षेत्र	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**		**सेवा क्षेत्र**	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**	
	जनवरी-22	**फरवरी-22**		**जनवरी-22**	**फरवरी-22**
दिल्ली	32.61	32.87	आन्ध्र प्रदेश	50.55	51.03
गुजरात	45.13	46.04	असम	4.63	4.90
हरियाणा	22.13	22.64	बिहार	33.30	33.94
हिमाचल प्रदेश	3.05	3.08	कर्नाटक	52.18	52.77
जम्मू और कश्मीर	1.49	1.52	केरल	17.83	18.24
महाराष्ट्र	55.53	56.02	कोलकाता	13.77	13.99
मुंबई	27.12	27.23	मध्य प्रदेश	48.87	49.64
पंजाब	24.73	24.90	उत्तर-पूर्व	1.70	1.71
राजस्थान	48.04	48.70	ओड़ीशा	12.94	13.08
उत्तर प्रदेश-पूर्व	50.81	51.60	तमिलनाडु	48.86	49.31
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	40.26	40.84	पश्चिम बंगाल	35.45	36.06
कुल	**350.88**	**355.45**	**कुल**	**320.07**	**324.66**
कुल (जोन-I + जोन-II)				**670.95**	**680.11**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (फरवरी, 2022 माह में)				**9.16 मिलियन**	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2022 के अंत तक 24.21 मिलियन से बढ़कर, फरवरी, 2022 के अंत तक 24.52 मिलियन हो गई। इस माह में 1.27 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.31 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई। फरवरी, 2022 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 92.07 प्रतिशत तथा 7.93 प्रतिशत रही।
- जनवरी, 2022 के अंत तक वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 1.76 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी, 2022 के अंत तक 1.78 प्रतिशत हो गया। इसी समय के दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.71 प्रतिशत तथा 0.22 प्रतिशत रहा।
- 28 फरवरी, 2022 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 41.95 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं। फरवरी, 2022 माह

में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:-

दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

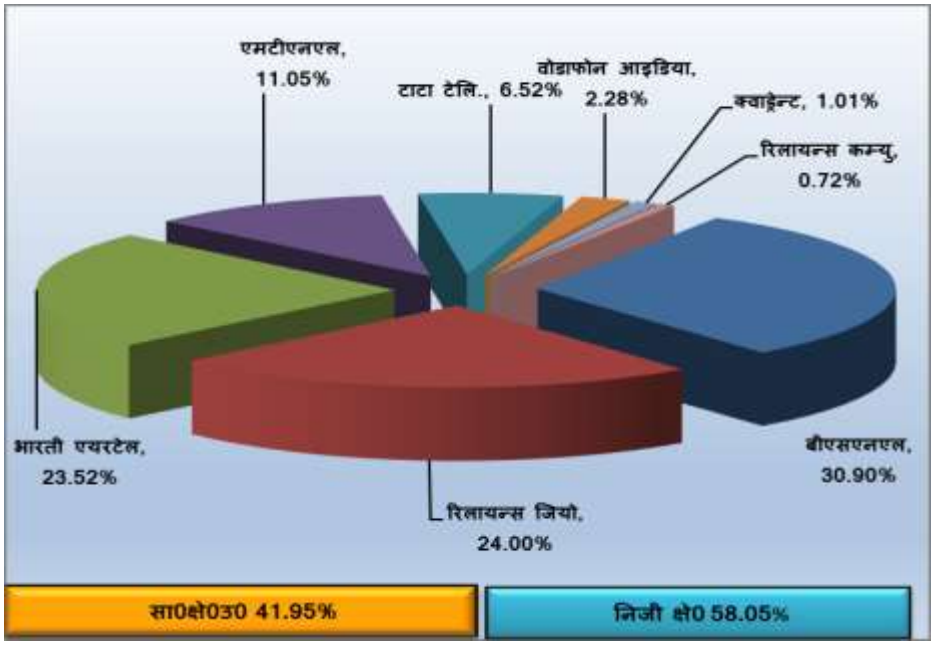

फरवरी, 2022 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

VIII. ब्राडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

फरवरी, 2022 के अंत में 645 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी 2022 में 618 सेवा प्रदाताओं की तुलना में, ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 783.43 मिलियन से घटकर 783.37 मिलियन हो गई जिसमें ह्रास दर 0.01 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः -

फरवरी, 2022 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		फरवरी, 2022 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 जनवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	26.65	26.63	-1.10%
मोबाइल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डान्गल)	755.66	755.68	0.004%
फिक्सड वायरलैस ब्राडबैंड उपभोक्ता (वाई-फाई, वाई-मैक्स, प्वाईंट-टू-प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	1.12	1.06	-5.18%
कुल	**783.43**	**783.37**	**-0.01%**

- फरवरी, 2022 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.50 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (407.77 मिलियन), भारती एयरटेल (213.11 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (121.94 मिलियन), बीएसएनएल (26.73 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (2.06 मिलियन) थे।

नोट: कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी-कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

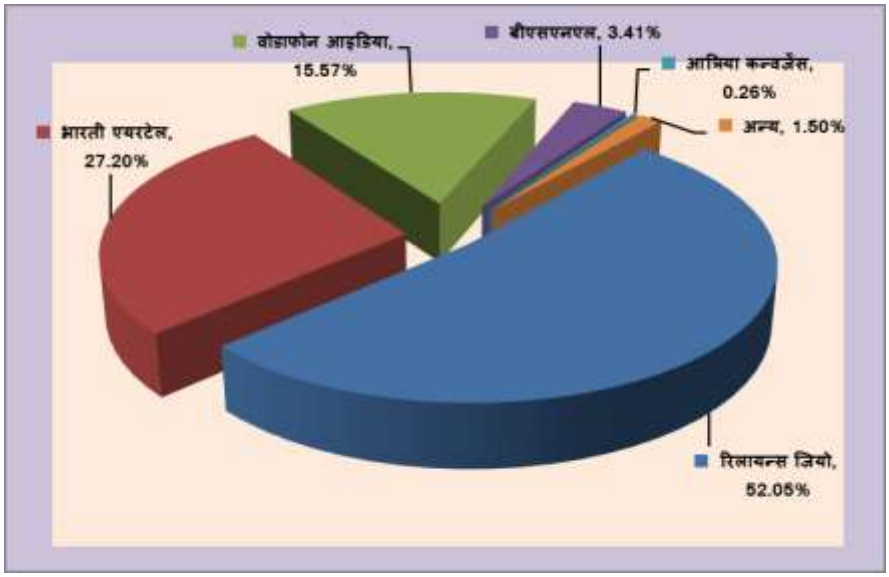

- दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पांच सबसे बड़े ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (5.04 मिलियन), भारती एयरटेल (4.43 मिलियन), बीएसएनएल (3.81 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नालाजी (2.06 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकाम प्रा. लि. (1.10 मिलियन) थे।

- दिनांक 28 फरवरी, 2022 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (402.73 मिलियन), भारती एयरटेल (208.68 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (121.93 मिलियन), बीएसएनएल (22.92 मिलियन) तथा इनटेक ऑनलाइन प्राइवेट लि. (0.21 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली-**110002.**
फोन-**011-23234367** फैक्स-**011-23235249**
ई-मेलः advfea2@trai.gov.in

(वी. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22
आन्ध्र प्रदेश	31357641	31321286			14095576	13803355	9290633	9307279					29144296	28824624	**83888146**	**83256544**
असम	9,917,783	9,984,555			2634479	2567962	3170289	3188296					8338150	8266401	**24060701**	**24007214**
बिहार	36,786,692	37,096,283			10377727	10314616	5412137	5291655					33416852	33168563	**85993408**	**85871117**
दिल्ली	16119708	16189175	208	206	16103982	16054137					2153142	2152799	17844325	17715367	**52221365**	**52111684**
गुजरात	11626613	11771457	109	109	23844613	23867662	5589794	5596715					25950498	25753239	**67011627**	**66989182**
हरियाणा	5803574	5860741	19	19	7888919	7918102	4927210	4946357					8605409	8544389	**27225131**	**27269608**
हिमाचल प्रदेश	3323549	3312278	93	93	562770	568575	2755701	2776272					3589258	3555618	**10231371**	**10212836**
जम्मू और कश्मीर	5570413	5588163	0	0	456444	435897	1321570	1322743					4464079	4495332	**11812506**	**11842135**
कर्नाटक	30539030	30621855	725	715	7981269	7827250	6937785	6859823					19800475	19592774	**65259284**	**64902417**
केरल	7683913	7706947	185	183	16329344	16163782	10669413	10567195					9313299	9222719	**43996154**	**43660826**
केलकाता	5606499	5683302	2	0	6239867	6136945	2330334	2223499					9838331	9748635	**24015033**	**23792381**
मध्य प्रदेश	15136663	15082785	0	0	20684045	20307524	6037258	6029470					35357826	35103338	**77215792**	**76523117**
महाराष्ट्र	20129289	20138484	0	0	29317539	29301925	6646400	6665130					36334081	36131701	**92427309**	**92237240**
मुंबई	9522065	9620974	1367	1330	11849869	11846621					1103707	1098953	11789900	11653047	**34266908**	**34220925**
उत्तर-पूर्व	5560199	5589232	0	0	1149253	1120579	1355854	1356526					3847195	3813016	**11912501**	**11879353**
ओड़ीशा	11063924	11004185	64	62	1943167	1883692	6273295	6234994					13562545	13423905	**32842995**	**32546838**
पंजाब	11718655	11798232	139	123	8666491	8618570	5291338	5308297					11489023	11377338	**37165646**	**37102560**
राजस्थान	21502619	21609275	183	181	11378812	11183574	6395775	6436509					23674011	23431111	**62951400**	**62660650**
तमिलनाडु	28003817	27585280	316	310	17762548	17898703	10038454	10142269	52,494	53,510			24257707	23867178	**80115336**	**79547250**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	36034430	36659560	0	0	20736110	20942068	11124399	11070126					32174664	31909847	**100069603**	**100581601**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18036076	18268262	21	17	19143370	19026856	5813800	5895131					21091113	20773542	**64084380**	**63963808**
पश्चिम बंगाल	15440662	15583324	300	290	15979046	15804656	2546902	2597378					22510693	22361913	**56477603**	**56347561**
कुल	**356483814**	**358075635**	**3731**	**3638**	**265125240**	**263593051**	**113928341**	**113815664**	**52494**	**53510**	**3256849**	**3251752**	**406393730**	**402733597**	**1145244199**	**1141526847**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**1591821**		**-93**		**-1532189**		**-112677**		**1016**		**-5097**		**-3660133**	**0**	**-3717352**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	***171,475,760***	***172,287,323***	***0***	***0***	***133922181***	***133087637***	***36,640,975***	***36,503,979***	***0***	***0***	***45001***	***44994***	**176044602**	**174417790**	**518128519**	**516341723**

अनुलग्नक-2

फरवरी, 2022 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	98.45	57.67	89.90		-	92.08	**90.27**
असम	98.58	43.50	91.44		-	94.81	**89.20**
बिहार	92.93	51.15	82.13		-	98.53	**91.22**
दिल्ली	96.33		69.88	12.89	95.63	87.61	**81.77**
गुजरात	102.46	48.42	91.03		88.99	92.54	**90.06**
हरियाणा	109.82	36.26	86.69		78.95	82.67	**81.25**
हिमाचल प्रदेश	100.59	37.08	98.97		31.18	86.59	**78.36**
जम्मू और कश्मीर	93.44	51.08	82.00		-	87.24	**85.93**
कर्नाटक	94.79	50.17	87.15		85.03	94.35	**89.02**
केरल	98.82	73.79	90.32		92.90	95.47	**88.91**
केलकाता	94.80	47.32	88.84		#DIV/0!	95.94	**89.29**
मध्य प्रदेश	97.76	46.33	82.11		-	99.20	**90.21**
महाराष्ट्र	105.95	63.82	85.97		-	98.69	**93.71**
मुंबई	83.96		69.35	31.57	65.34	81.22	**76.29**
उत्तर-पूर्व	104.76	62.95	93.21		-	106.20	**99.36**
ओड़ीशा	100.30	57.18	93.41		30.65	98.83	**91.04**
पंजाब	106.65	43.51	83.44		66.67	85.35	**85.69**
राजस्थान	99.75	45.94	91.83		60.22	92.58	**90.13**
तमिलनाडु	96.09	68.03	93.55		94.19	91.57	**90.56**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	97.96	33.04	83.83		-	98.17	**87.94**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	102.30	41.48	87.94		52.94	90.23	**88.50**
पश्चिम बंगाल	96.79	77.65	86.54		34.83	93.48	**91.72**
कुल	**98.08**	**52.47**	**85.70**	**19.21**	**71.41**	**94.01**	**89.01**

नोट: इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-3

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि		क्वार्डेंट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो			
	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22	जनवरी, 22	फरवरी, 22
आन्ध्र प्रदेश	684866	684713			337615	346590	20186	19932	157188	157072			61900	63860	643371	674549	**1905126**	**1946716**
असम	103,267	103,678			0	0	0	0	0	0			2970	2850	90687	95127	**196924**	**201655**
बिहार	179,660	173,201			0	0	20	9	7890	7952			1740	1710	230479	246203	**419789**	**429075**
दिल्ली	0	0	1289714	1287403	1741827	1757932	31664	28794	139357	139500			86527	84520	563779	585454	**3852868**	**3883603**
गुजरात	414657	404734			152788	155498	3407	3455	76849	77156			43136	44186	352406	364129	**1043243**	**1049158**
हरियाणा	183928	185119			42354	47274	0	0	33367	33236			360	330	63566	66220	**323575**	**332179**
हिमाचल प्रदेश	87850	88207			0	0	0	0	1560	1562			30	30	27903	29145	**117343**	**118944**
जम्मू और कश्मीर	103203	102611			35727	39571	0	0	0	0			30	30	131052	135768	**270012**	**277980**
कर्नाटक	873712	873527			884700	903620	22854	23633	245141	246021			96457	116937	466935	481571	**2589799**	**2645309**
केरल	1066853	1057379			75392	78741	4933	4703	18534	18584			8890	8910	137897	145867	**1312499**	**1314184**
केलकाता	381087	381675			168094	168690	6534	6394	45216	45367			10780	11915	251913	266233	**863624**	**880274**
मध्य प्रदेश	290388	287268			345639	350971	5	5	12140	12199			9530	10560	333895	351521	**991597**	**1012524**
महाराष्ट्र	729707	713630			251647	267468	10604	10245	212389	211986			24703	25493	152461	158621	**1381511**	**1387443**
मुंबई	0	0	1441400	1421811	465895	471553	50980	50460	479252	481119			106861	106311	549607	564835	**3093995**	**3096089**
उत्तर-पूर्व	80159	80185			0	0	0	0	0	0			330	330	74373	78887	**154862**	**159402**
ओड़ीशा	189168	189335			0	0	4	4	8311	7959			3770	3770	109475	117882	**310728**	**318950**
पंजाब	312867	313889			181865	183628	1647	1616	13476	13710	228494	247116	2190	2190	152033	158190	**892572**	**920339**
राजस्थान	294915	293219			133571	137655	3953	3909	12511	12743			15500	15580	207666	216983	**668116**	**680089**
तमिलनाडु	1030730	1025074			658275	664907	22968	22507	117887	118548			37180	37680	446315	459901	**2313355**	**2328617**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	186749	186996			115823	98535	20	20	8102	8094			17130	16930	254932	267406	**582756**	**577981**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	200249	199288			84145	93967	7	7	4359	4404			3330	4170	272119	285926	**564209**	**587762**
पश्चिम बंगाल	231723	232936			0	0	12	12	2464	2553			120	120	128075	134776	**362394**	**370397**
कुल	**7625738**	**7576664**	**2731114**	**2709214**	**5675357**	**5766600**	**179798**	**175705**	**1595993**	**1599765**	**228494**	**247116**	**533464**	**558412**	**5640939**	**5885194**	**24210897**	**24518670**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**-49074**		**-21900**		**91243**		**-4093**		**3772**		**18622**		**24948**		**244255**		**307773**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**1814384**	**1813374**	**0**	**0**	**0**	**0**	**150**	**180**	**37684**	**37612**	**25558**	**22931**	**0**	**0**	**70882**	**70756**	**1948658**	**1944853**

नोट: बीएसएनएल-एफटीटीएच वॉयस-कनेक्शन को भी मई 2021 के महीने से शामिल किया गया है।

अनुलग्नक-4

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**उपभोक्ताओं की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।